स्क्यान कैके
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्बी ।

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २४ अंक ५६ वि.सं. २०८३ भदौ २५ गते बिफे थारु सम्वत (२६४९) [Thursday 10 September 2026] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

ऐतिहासिक भवन पुन:निर्माण कैना पुरातत्व विभागहे गुहार

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, २३ भदौ । जेनजी आन्दोलनमे ढलल कैलालीके ऐतिहासिक प्रशासनिक भवन पुन:निर्माणके लाग पुरातत्व विभागहे अनुरोध करल बा ।

जिल्ला प्रशासन कार्यालय कैलालीसे अपन सबसे पुरान प्रशासनिक भवन पुन:निर्माणके लाग पुरातत्व विभागहे गुहारल हो । राणाकालीन समयमे निर्माण करल उ भवनमे गैल भदौ २४ गते जेनजी आन्दोलनकारीसे आगजनी करल रहिट । आगजनीसे कैलालीके ऐतिहासिक भवन ध्वस्त हुइल रहे । उ भवन पुन:निर्माणके लाग पुरातत्व विभागहे अनुरोध करल जिल्ला प्रशासन कार्यालयके सुब्बा राममूर्ति सिंह जानकारी डेलै ।

उहाँके अनुसार जिल्ला प्रशासन कार्यालयसे पत्राचार करलपाछे विभागके टोली आके भग्नावशेष भवनके अनुगमन, निरीक्षणसमेत करसेकल बा । सिंह कहलै, "अनुगमनपाछे पुरातत्व विभागसे पुरान अवस्थाके भवन पुन:निर्माण करेपर्ना कहटी गृह मन्त्रालयहे प्रस्ताव करले बा ।"

जेनजी आन्दोलनकारीसे ध्वस्त पारल ऐतिहासिक भवन । तस्बिर : अविनाश चौधरी

चन्द्र शमशेरके पालाके इँटा प्रयोग हुइल पाइल भवन निर्माणमे काठ, इँटा ओ धुर प्रयोग हुइल रहे । विभागके कर्मचारीसे अनुगमनके क्रममे चन्द्र शमशेरके पालाके इँटा भग्नावशेषमे पाइल सुब्बा सिंह जानकारी डेलै । उहाँ कहलै "यी भवन निर्माणमे सिमेन्टके प्रयोग हुइल नैरहे । ओकर सट्टा धुर प्रयोग करल रहे । विभागसेफे काठ, इँटा ओ धुर प्रयोग करके पहिलेक जस्टे निर्माण करेपर्ना निष्कर्ष निकारल बा ।"

राणा शाषणके बेला कैलाली ओ कञ्चनपुरके गोश्वारा (प्रशासनिक केन्द्र) कञ्चनपुरके बेलौरीमे राखल रहे । विक्रम सम्वत १९९७ मे उ गोश्वारा धनगढी सारल बटाजाइठ । उ बेलाके गोश्वारा पाछे जिल्ला प्रशासन कार्यालयमे परिणत हुइल हो । मने, भवन कब बनल हो कना प्रमाण पुष्टि हुइना कौनोफे अभिलेख जिल्ला प्रशासन कार्यालयमे नैहो । ऐतिहासिक भवनसे जिल्ला प्रशासन कार्यालयसे कैयौं वर्षसे अपन कामकाज करटी आइल रहे । नेपाल सरकारसे पाछे नयाँ भवन निर्माण करलपाछे जिल्ला प्रशासन कार्यालय नयाँ भवनमे सरलेसेफे राष्ट्रिय परिचयपत्रके काम भर पुरान भवनसे हुइना करल रहे ।

जेनजी आन्दोलनकारीके आगजनीसे ढलल ऐतिहासिक भवन एक वर्षसे गिरल अवस्थामे रहल बा । जिल्ला प्रशासन कार्यालयके पुरान भवन कैलालीके ऐतिहासिक भवन रहल ओरसे यकर पुन:निर्माण हुई पर्ना नागरिक स्तरसेफे आवाज उठटी आइल बा ।

चिनी महँगा होके मारमे उपभोक्ता

पहुरा समाचारदाता
कञ्चनपुर, २४ भदौ । भारतीय बजारमे चिनीके मूल्य बहलपाछे ओकर प्रत्यक्ष असर सीमावर्ती क्षेत्रके उपभोक्तामे परल बा । पाछक कुछ अँठ्वार यहोर भारतीय बजारमे चिनीके मूल्य बहलपाछे यहाँके उपभोक्ता प्रत्यक्ष मारमे परल हुइट ।

भारतीय बजारसे प्रतिकिलो ९० रुपियाँमे खरिद कैटी आइल यहाँके उपभोक्ता पाछेक समय मूल्यवृद्धिका कारण प्रतिकिलो १३० रुपियाँसम्म खर्च कैना बाध्य हुइल बटै । बेलौरी नगरपालिका–३ का स्थानीय जग्गुराम डगौरा भारतसे लानल चिनी यहाँके पसलसे प्रतिकिलो ९० रुपियाँमे खरिद कैटी अइलेसे फेन अब्बे १३० रुपियाँ टिरे परल गुनासो करलै ।

स्थानीय लोकेन्द्र चौधरी प्रतिकिलो ४० रुपियाँ मूल्य बहलपाछे चिनीके प्रयोग घटाइल बटैलै । भारतसे लानल चिनी भन्सार तिरके यहाँके उपभोक्ताहे प्रतिकिलो ९० रुपियाँमे उपलब्ध करैटी अइलेसे फेन अब्बे मूल्यवृद्धिके कारण १३० रुपियाँमे बिक्री करे परल कलकत्ताके व्यवसायी मनीराम चौधरी बटैलै ।

सुदूरपश्चिमभर हाल कञ्चनपुरके दुई स्थानमे चिनी मिल सञ्चालनमे रहल बावै । दररेट नैमिलल् कारण भारतसे चिनी लानके बिक्री करे पर्ना बाध्यता रहल यहाँके व्यवसायी बटैले बटै ।

विगतमे भारतीय बजारमे प्रतिकिलो ७० रुपियाँ पर्ना चिनी यहाँके चिनी मिलसे ९० रुपियाँमे खरिद करे परेबर उपभोक्ता नैरुचाइलके कारण छिमेकी मुलुकसे चिनी खरिद कैके लाने पर्ना अवस्था रहल व्यवसायी हरिस थापा बटैलै । *(बाँकी ४ पेजमे)*

सूचनाको हक: नागरिकको मौलिक अधिकार

- सार्वजनिक सरोकारका सूचना प्राप्त गर्नु नागरिकको अधिकार हो,
- सार्वजनिक सरोकारका सूचना उपलब्ध गराउनु राज्यको दायित्व हो,
- सही, तथ्यपरक र आधिकारिक सूचना आदान–प्रदान गरौं,
- सार्वजनिक निकायमा कानुनबमोजिम सूचना अधिकारी तोक्ने गरौं,
- डिजिटल प्रविधिको प्रयोग गरी सूचनामा नागरिकको पहुँच विस्तार गरौं,
- प्रत्येक नागरिकलाई आफ्नो वा सार्वजनिक सरोकारको कुनै पनि विषयको सूचना माग्ने र पाउने हक हुन्छ, तर कानुन बमोजिम गोप्य राख्नु पर्ने सूचनाको जानकारी दिन कसैलाई बाध्य पार्न मिल्दैन।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

बगरापुरके अनिल अभिन वेपत्ता

घरमे अन्न नैहो : अपांग बाबाक एक्के आशा-'छावा लौटके अइही'

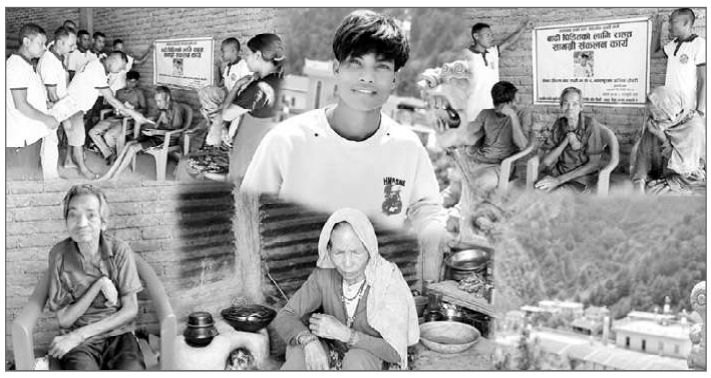

पहुरा समाचारदाता
दाङ, २४ भदौ । दाङके राप्ती गाउँपालिका–६ बगरापुरके २४ वर्षीय अनिल चौधरी भोटेकोशी बाढमे बेपत्ता हुइल १५ दिन बिटसेक्लेसेफे परिवारके सम्पर्कमे आइल नैहुइट ।

रसुवाके टिमुरे हाइड्रोपावरमे मजदुरके रूपमे कार्यरत अनिल गैल चैतमे कामके लाग घरसे गैल रहिट । भदौ १० गते विनाशकारी बाढ अइना आघेक दिन केल्ह परिवारसँग फोनमे बाट करल उहाँ ओकलपाछे बेपत्ता बटै ।

अनिलके अपांग बावा परशुराम चौधरी ओ वृद्ध डाईसहित चार जानेक परिवार अब्बे आर्थिक संकटमे बा । घरबासबाहेक सम्पत्तिके नाममे कुछ नैरहल ओ घरमे खैना अन्नसमेत सेकलपाछे परिवार सहयोगके अपिल करल हो ।

'अभिन आशा बा, छावा लौटके आई,' आँस झरटी बाबा परशुराम कहलै । डाडा रविन चौधरी भैयाके खोजीके लाग रसुवा पुगके टमान ठाउँमे खोजी करलेसेफे पत्ता लगाई नैसेकल बटैलै ।

भैयाके खोजी असफल हुइलपाछे घर लौटल रविनउप्पर अब्बे दुसर प्रश्न तेरसल बा–बाबा डाईक हेरचाह कैना की परिवार पाल्न रोजगारीके लाग बाहेर जैना ? "अब मै कमाई जाउकी बाबा–डाईहे स्याहारके बैठु ँ?" रविन आँखी भर आँस पारके प्रश्न करलै । चार जानेक परिवार अब्बे आर्थिक अभाव ओ अनिश्चित भविष्यके बीचमे बा । घरमे रहल अन्न ओराई लागलपाछे ओइने गाउमे रहल सहारा दिव्यश्री संस्थाके अध्यक्ष प्रदीपकुमार चौधरी ओ वडा अध्यक्ष दीपककुमार चौधरीसँग सहयोगके लाग अपिल करलै ।

परिवारके अवस्था बुझलपाछे सहारा दिव्यश्री संस्थासे तत्काल गाउँमे राहत संकलन अभियान सञ्चालन करल । गाउँलेहुत्रके अपन क्षमताअनुसार खाद्यान्न, टिना तथा नगद सहयोग करलै । संस्थाफे आपन ओरसे आर्थिक सहयोग कैना निर्णय करल ।

बुधके संस्थाके प्रतिनिधिहुत्रे पीडित परिवारके घरे पुगलै । ओइनहे राहत सामग्रीसहित नगद सहयोग हस्तान्तरण करलै । विपद्के पीडामे रहल परिवारके लाग उ सहयोग केवल खाद्यान्न ओ रकम रहे, संकटके बेला गाउँले साथमे बटै कलेसे भरोसाफे रहे । संस्थासे ११ हजार १ सय ११ रुपैयाँ ओ गाउँसे संकलित ६० हजार ४ सय ६५ रुपैयाँ नगद सहयोग करल बा । ओस्टेक करके करिब ६५ हजार रुपैयाँ बराबरके खाद्यान्न तथा अन्य सामग्रीफे परिवारहे *(बाँकी २ पेजमे)*

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित** (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

घरमे अन्न नैहो...

हस्तान्तरण करल संस्थाके सदस्य असलेक चौधरी जानकारी डेलै । उहाँक अनुसार राहतमे ७ सय केजी चामल, १ क्विन्टल धान, ९० केजी दाल, ८६ केजी नुन, ८ लिटर तेल, ५५ केजी आलु, ११ केजी बेसार, २० केजी तरकारी, ३ थान नयाँ कपडा, ३.५० केजी सरफ हो १५ केजी पिठा सहयोग करल बा । राहत पाइलपाछे परिवारहे कुछ समयके लाग चुल्हा बरना आधार टे मिलेल बा । मने अनिलके खोजी भर अभिन अधुरा बा ।

घरके कोनुवामे बैठल परशुरामके आँखीसे अभिन डगर असरा लग्टी रहल बा । हरेक आवाजमे उहाँहि छावा आइल हो कि जैसिन लागठ । बाहेर कोइ बोलाईबेर कान ठाडा हुइठ ।डगरमे मनै डेखके आँखी उहरे पुगठ । बाढसे कटरा घर उजारल, कटरा परिवारके प्रियजन अछिनल, ओकर हिसाब अभिन पूरा हुइल नैहो । मने बरापुरके यी परिवारके लाग बाढके पीडा एकठो घटनामे सीमित नैहो । उ घरके कमैना हात खोसल बा, अपांग बाबाके सहारा खोसल बा ओ परिवारके भविष्य अनिश्चित बनाडेहल बा ।

अनिल जीवित बटै की नैहुइट कना यकिन जानकारी नैहुके परिवार शोक मनाई सेकल नैहो । मृत्युके पुष्टि हुइल नैहो, लौटन सम्भावनाके आशाफे मरल नैहो । टबमारे परशुराम अभिन छावाके डगर हेरटी बटै । "छावा लौटही कना आशा मारल नैहो," उहाँ कहलै । सायद यिहे आशासे उहाँक कमजोर शरीरहे थामल बा । भोटेकोशीके बाढसे अनिलहे कहाँ पुगाइल, उ अभिन रहस्यमे विषय बा । मने बरापुरके उ छोट घरमे भर उहाँक प्रतीक्षा प्रत्येक दिन ओस्टे बा ।

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ६ मटियारी टोलस्थित कित्ता नं. ४०७ क्षेत्रफल १५२.५ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री हिक्मत सिंह वडालले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण
पुर्व: कौशिला ओझा — पश्चिम: सडक
उत्तर: मधु शर्मा — दक्षिण: किर्ति जोशी र रवि पन्त

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ७ मनेहरा टोल टोलस्थित कित्ता नं. ११८२ क्षेत्रफल १६९.३१६ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री बसन्ती देवी च्वाँन बोहराले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण
पुर्व: सडक — पश्चिम: सुनिता राना
उत्तर: सुनिता राना — दक्षिण: इश्वर जैशी

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ८ कान्तिपुर टोलस्थित कित्ता नं. ९९३ क्षेत्रफल १५२.३७ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री दिपकबहादुर बोहराले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण
पुर्व: सडक — पश्चिम: रेखा शर्मा
उत्तर: अनिता ठगुन्ना — दक्षिण: बबिराम चौधरी

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

अर्थतन्त्रके मूलाधारमे प्रहार

भदौ १० (२०८३) बिहान रसुवामे आइल हिमबाढहे कुछ अन्तर्राष्ट्रिय मिडिया हिमसुनामीके रूपमे चित्रण करले बटैं । यी अकल्पनीय महाविपत्ति रहे । भारी जनधन क्षति हुइल । उद्धार ओ राहतसँगे क्षतिके लेखाजोखा हुइटि बा । लेखाजोखा सहजिल फेन नैहो ओ समय लागि । यी महाविपत्तिके जलवायु परिवर्तन असरके गहन वैज्ञानिक आधार बलगर डेखाइल बा । कथा विगत दुई सय वर्षयहोरके हो । विशेष कैके औद्योगिक क्रान्तिपाछे जैविक इन्धनके अति दोहनसे आधुनिक विकासके प्रतिस्पर्धासे कार्बन उत्सर्जन बह्रल । पृथ्वी टाटुल हुइटि रहल हिमाल पग्लल । कार्बन उत्सर्जन अतिसे अति न्यून योगदानमे (०.१ प्रतिशतसे कम) सीमित हुइल नेपाल, नेपाल जस्टे देशसे यी महाविपत्ति भोगे परल बा । बिज्याइँ औरेक बा । नैखाइल विष नेपाल जैसिन देशहे लागल बा । अइसिन विनाशके संकेत यीआघे भोगेल लागल हो । दुई वर्षआघेक सोलुखुम्बुके थामे हिमपहिरो भोगल हो । मेलम्चीके विनाश स्पष्ट रहे । अइसिन अनेक जलवायुजन्य घटनाक्रमसे नेपाल जलवायु न्याय पाइपरना स्पष्ट आधार सिर्जना करल बा ।

विषय ओत्रे सीमित नैहो । नेपाली अर्थतन्त्रके मूल आधार कृषि, पर्यटन ओ जलविद्युत्के आधारहे तहसनहस बनाइल बा । जोखिम और विस्तार हुइटि बा । तीव्रतर जोखिम बह्रल बा । अर्थतन्त्रके मूल आधारहे आब कैसिक जोगैना कना गम्भीर कार्यसूची विश्लेषण अपरिहार्य हुइल बा । यी हिमबाढी अर्थात् हिमसुनामी नेपालके किल विषय नैरहल । अन्तर्राष्ट्रिय मञ्चके गम्भीर ओ टाटुल विषय बनल बा । हिमाली तथा पहाडी मुलुकके कृषि, पर्यटन ओ जलविद्युत जैसिन जनजीवन जोरल अर्थतन्त्रमे मूल आधार जोगैना विश्व बहस अपरिहार्य हुइल बा । समाधानमे तत्कालीन, मध्यकालीन ओ दीर्घकालीन योजना, नीति ओ कार्यक्रम बनेपरना हुइल बा । रसुवा हिमबाढपाछे नेपाल अप्ने फेन पनि कृषि, पर्यटन ओ जलस्रोत जैसिन अर्थाधार विषयमे गम्भीर गृहकार्य अपरिहार्य हुइल बा ।

नदीछेउके कृषि जोखिम

नेपालके अर्थतन्त्रके मुख्य पहिल आधार कृषि हो । त्रिशूली कोरिडोर हिमाली तथा पहाडी कृषिके अति उर्वर भूमि रहल रहे । त्रिशूलीके नदी वरपर लाखौं मनैन्के जीविकामे कृषि ओ पशुपालन प्रमुख आधार हो । यी कृषि सभ्यता रहे । मलगर ओ फाँटसे जमिनके त्रिशूली नदी किनारके खेतबारी धान, मकै, गहुँ, कोदो उत्पादनमे अब्बल रहे । घरेलु कषिसँगे पाछेक दशकमे व्यावसायिक तरकारी बालीओर फस्टाए । पशुपालन और फस्टाइल रहे । त्रिशूलीके चामल देशविदेशमे प्रख्याति रहे । हिमसुनामीपाछे त्रिशूली नदी किनारके फाँट घण्टाभरमे बन्जर बगर बनल । नदी किनारके ऐतिहासिक सहर तथा बस्ती बगरमे रूपान्तरण हुइलसँगे युगौं पुरान सभ्यतासे न्याय खोज्ले बा ।

टमान पहिलेसे नेपालहे ओहे कृषिप्रधान मुलुक कहल नाइहो । त्रिशूली कोरिडोर जस्टे हिमाली तथा पहाडी भेगके नदी कोरिडोरमे अनेक उर्वर भूमि रहे ओ बा । आब जोखिममे बा । क्षणभरमे त्रिशूली कोरिडोरके कृषि सभ्यतामे बज्रपात नजिरे हुइल । नदी किनार वरपरके उर्वर भूमिमे आब भदौ १० आघेक उर्वरता आइ सेकि ? कना गम्भीर प्रश्नहे नेपालभित्तरके किल समीक्षाके विषय बनाइ नैपरठ । जलवायु परिवर्तनके असरसे नेपालके कृषि कत्रा जोखिमपूर्ण बा कना विषय आब विश्व मञ्चके मूल कार्यसूची बने परल । त्रिशूली जैसिन हिमालसे बहके आइल अनेक नदी किनारके उर्वर फाँट जोखिममे बा । हिन्दुकुश हिमाली क्षेत्रमे अनेक हिमताल पग्लना बा । इम्जा हिमतालके जोखिम घटैना ढेर प्रयास हुइल जस्टे उ दर्जनौं हिमतालके जोखिम न्यूनीकरण नेपालके अर्थतन्त्र ओ क्षमतासे नैधानी । ओकर लाग स्पष्ट अन्तर्राष्ट्रिय संस्थागत प्रयास आवश्यक हुइल बा । टबेमारे औरे जोखिम न्यूनीकरणसँगे नेपालीके कृषि सभ्यता बचाइ सेक्ना आधार सिर्जना हुइ सेकि ।

पर्यटनमे अनिश्चयके बादल

भोटेकोशी बाढसे नेपालके पर्यटनउप्पर गम्भीर संकट उत्पन्न हुइल बा । त्रिशूली कोरिडोर, रसुवाके हिमाली प्राकृतिक सम्पदा पर्यटन प्रवर्धनके आधार बनल रहे । विश्व प्रसिद्ध कैलास पर्वत जान केरुङ नाका पुग्न त्रिशूली–धुन्चे मार्ग प्रवर्धित हुइल रहे । बाह्य पर्यटकके भारी आकर्षण रहे । भोटेकोशी बाढसे नेपालसमेत विश्वके टमान देशके पर्यटकके ज्यान लेहल । और ढेर सम्पर्कविहीन बा बेपत्ता बटैं । त्रिशूली कोरिडोरमे होटेल, रिसोर्ट ओ लजसे घरबाससमेतके अनेक पर्यटकीय पूर्वाधार विस्तार ओ उत्पादन बढोत्तरी हुइल रहे । त्रिशूली नदीसे जलयात्राके लाग संसारके साहसी पर्यटकहे आकर्षित करटि रहे । टबेमारे फेन नदी कोरिडोरमे होटेल, रिसोर्ट विस्तार हुइटि रहे । अकल्पनीय हिमाली सुनामीसे सखाप बनाइल ।

नेपालके हिमाली तथा पहाडी भेग सक्कु सारमे प्राकृतिक रिसोर्ट हो । यकर उचित व्यवस्थान किल आवश्यक रहे । त्रिशूली कोरिडोरसँगे देशके अन्य नदीमे फेन जल पर्यटनके विकास ओ विस्तार बह्रे सेकि । हिमाल टाटुल होके पग्लना हिउँसे नेपालके प्राकृतिक पर्यटकीय सम्पदामे अनिश्चियके बादल मडारल बा । त्रिशूली जस्टे सुनकोशीलगायतके नदी किनारमे जल पर्यटनके विकास ओ विस्तार हुइल रहे । त्रिशूली हिमबाढसे आब हमार पर्यटन पूर्वाधार विस्तारसँगे समग्र उत्पादनहे पुनर्विचार करेपरना हुइल बा । सुरक्षित गन्तव्यके योजना, नीति ओ कार्यक्रम आगे बह्रना अपरिहार्य हुइल बा ।

जीवन जौनफेन अवस्थामे फेन पहिल प्राथमिकता हो, हुइ परठ । हरेक योजनाके बृहत् स्वार्थ मानव हित हुइ परठ । मानव अहित हुइना विकास टे विनाशके प्रस्थानविन्दु किल हो । जलवायु परिवर्तन असर न्यूनीकरण प्रतिरोधी हरित विकास आयामके बहसहे आब देशभित्रे किल सीमित करे नैपरठ । अन्तर्राष्ट्रिय प्रयासहे तीव्रतर

विचार

✍ जुनारबाबु बस्नेत

रूपमे आगे बह्रे परठ । शून्य कार्बन उत्सर्जनके अन्तर्राष्ट्रिय प्रतिबद्धतामे पुनरवलोकन हुइ परठ । नेपालसे सन् २०४५ सम शून्य कार्बन उत्सर्जनके लक्ष्य लेहल बा मने तीव्रतर कार्बन उत्सर्जन करटिरहल विश्व अर्थतन्त्रके भारी मुलुकके प्रतिबद्धता धेर डुर बा ।

पेरिस सम्झौतासे अमेरिका पाछे आइल । यिहिनसे जलवायु परिवर्तन असर न्यूनीकरणके महायात्रामे अवरोध सिर्जना करल बा । विश्वमे सबसे ढेर कार्बन उत्सर्जन करना चीनसे शून्य कार्बन उत्सर्जनहे धेर डुरके लक्ष्य मानल बा । चीन ओ अमेरिकापाछे ढेर कार्बन उत्सर्जन करना भारतके फेन हरित ऊर्जाके लक्ष्य और डुर बा । तीनु मुलुकके आधुनिक विकास अभिन फेन जैविक इन्धनमे बढसे ढेर निर्भर बा । औद्योगिक क्रान्तिपाछेक विकास मोडेलहे निरन्तरता डेहल बा । कम कार्बन उत्सर्जन करना युरोपेली मुलुक ओ विशेष कैके स्केन्डेभिएन मोडेलके विकासओर आब संसार आगे बह्रे परठ । पर्याचक्र प्राकृतिक रूपमे कायम ढरना दिगो ओ सुरक्षित पर्यटनओर अग्रसर बन्न विश्व प्रयास आवश्यक बा । ओकरसँगे नेपाल फेन ओहे अनुरूपके नीति, योजना ओ कार्यक्रम बनाइ परठ । पर्यटन पूर्वाधारमे हरित अर्थतन्त्र ओ पूर्वाधार आर्थिक विकासके मूल आधार बने परठ ।

सेतो सुनउप्पर प्रहार

भोटेकोशी हिमबाढसे त्रिशूली कोरिडोरमे रहल दर्जनौं जलविद्युत् आयोजना तत्क्षण तहसनहस बनाइल । त्रिशूली देवीघाट जस्टे देशकौं चलल जलविद्युत् आयोजना ओकर बा । सार्वजनिक निजी साझेदारीके सफल आयोजना चिलिमे जलविद्युत् आयोजना ओहे कोरिडारमे रहे । चार सय मेगावाटसे ढेर जलविद्युत् आयोजना ध्वस्त हुइल बा । उ आयोजनासँगे कुशल जनशक्तिहे भोटेकोशी बाढसे कुछहे विलुप्त परल बा, कुछ अभिन बेपत्ता बा । अर्बौं अर्बके जलविद्युत् पूर्वाधार क्षणभरमे हिमसुनामीमे परल बा । घरसे अग्ला ओ भारी ढुंगासे आयोजना थिचल बा । लेदो, बालुलासँगे बगरमे परिणत हुइल बा । दर्जनौं जलविद्युत् आयोजनाके भविष्य अन्योलमे परल बा ।

हिमालके सेता सुन अर्थात् स्वच्छ हरित ऊर्जा भारत ओ बंगलादेशमे निर्यात हुइ लागल रहे । जलविद्युत् क्षेत्रमे सार्वजनिक तथा निजी लगानीके सबसे भारी क्षेत्र बन्ना दिशामे अग्रसर रहे । देशभरके लाखौं लगानीकर्ता सेयरमार्फत जोरल बा । देशमे कुल जडित जलविद्युत् *(बाँकी ३ पेजमे)*

> जलविद्युत् नदी किनारमे बनाइ परठ । हिमाली क्षेत्रसे आइल नदी वर्षभर जलविद्युत् उत्पादनके दिगो स्रोत हो मने त्रिशूली नदी कोरिडोरके जलविद्युत् पूर्वाधारके विनाशसे अन्य लगानी ओ सुरक्षामे गम्भीर प्रश्न उठल बा । हिमबाढके बज्रपातपाछे तहसनहस हुइल जलविद्युत् आयोजनाके बिमा दाबी परल बा । बिमा कम्पनी आब और भारी सकसमे परल बा । निजी लगानीके सब जैसिन आयोजनामे बिमा हुइल ओरसे कुछ क्षतिपूर्ति अइना आकलन बा मने कुछ सरकारी लगानीके आयोजनाके बिमा करल नैहो । सरकारी सम्पत्तिके बिमा नैकरना प्रवृत्तिसे महाविपत्तिमे पुर्पुरामे हात ढरना अवस्थामे पुगल बा । नेपाली अर्थतन्त्रमे मुख्य आधार कृषि, पर्यटन ओ जलस्रोतउप्परके यी हिमसुनामी प्रहार अकल्पनीय बा । यी महाविपत्तिपाछे नेपाली अर्थतन्त्रके यी तीन प्रमुख आधार अर्थात् कृषि, पर्यटन ओ जलस्रोत क्षेत्रमे नवीन योजना, नीति ओ कार्यक्रमके गम्भीर गृहकार्य माग करठ । ओइसिन गृहकार्य हरित अर्थतन्त्रके दूरदृष्टिसहित वैज्ञानिक आधार ओ आयाममे बन्ना वाञ्छनीय बा ।

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।
नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।
प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८,
९८१४६०८०५६,
९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५

प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८

बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६

सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५

अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०

दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२

होटल
डिमोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, बिद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२

शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३११२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९

राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२

एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

पुरान टायरसे औद्योगिक इन्धन

आयातित इन्धनके विकल्प खोज्टि उद्योगी

भैरहवा, २४ भदौ । सडक, कबाडीखाना ओ खाली ठाउँमे थुप्रना पुरान टायरहे उद्योगी कच्चा पदार्थके रूपमे प्रयोग कैके औद्योगिक इन्धन उत्पादन करना उद्योग विस्तार करे लागल बटैं । रुपन्देहीमे पुरान टायर प्रशोधन कैके इन्धन, कार्बन ओ स्टिल उत्पादन करटि आइल उद्योग आयातित पेट्रोलियम पदार्थके विकल्पके रूपमे टायरसे उत्पादित इन्धनहे बजारमे लैजैना प्रयास करटि बा ।

पुरान टायरहे उच्च तापक्रममे अक्सिजनरहित अवस्थामे प्रशोधन कैके तेल निकरना प्रविधिमार्फत औद्योगिक इन्धन उत्पादन करल होरु। उत्पादित तेल औद्योगिक भट्टी, बोइलरलगायत ताप आवश्यक परना उद्योगमे प्रयोग करे सेक्ना हुइल ओरसे यिहिनहे आयातित इन्धनके वैकल्पिक स्रोतके रूपमे विकास करे सेक्ना उद्योगीके विश्वास बा ।

रुपन्देहीके उद्योगी अजयमान श्रेष्ठ टायरसे इन्धन उत्पादनके सम्भावनाहे व्यावसायिक रूप डेना दुई ठो उद्योगमार्फत काम आघे बहाइल बा । देवदहमे स्थापना करल स्पिड इनर्जी इन्डस्ट्रिज प्रालि ओ भैरहवा विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) मे स्थापना करल इको नेपाल इनर्जी इन्डस्ट्रिज प्रालिमार्फत पुरान टायर प्रशोधनके काम हुइटि बा ।

श्रेष्ठके अनुसार टायर प्रशोधनसे निकरना तेलहे उद्योगमे इन्धनके रूपमे प्रयोग करे सेक्लेसे प्रशोधनके क्रममे प्राप्त हुइना स्टिल ओ कार्बनहे समेत पुनः औद्योगिक कच्चा पदार्थके रूपमे उपयोग करे सेक्जाए । "उद्योग कलेक केवल उत्पादन करना कारखाना नाइहो, रोजगारी सिर्जना करना, वातावरण जोगैना ओ देशके अर्थतन्त्रमे योगदान करना माध्यम फेन हो," श्रेष्ठ कलैं ।

नेपालके उद्योगमे पेट्रोलियम पदार्थ तथा अन्य आयातित इन्धनके प्रयोग भारी बा । औद्योगिक उत्पादनके लागतमे इन्धनके हिस्सा महत्वपूर्ण हुइल ओरसे वैकल्पिक इन्धनके उपलब्धतासे उद्योगके सञ्चालन खर्च घटैनासमेत सहयोग पुग्ना अपेक्षा करल बा ।

श्रेष्ठले फाइल टायरहे समस्या किल नैहोक औद्योगिक कच्चा पदार्थके रूपमे हेरेपरना बटैलैं । उहाँक अनुसार नेपालमे प्रयोग होके फेंकेल टायरके व्यवस्थित संकलन हुइ सेकल भारी परिमाणमे कच्चा पदार्थ स्वदेशमे उपलब्ध हुइ सेकि । "फेक्ल टायरहे फोहोरके रूपमे किल हेरनासे यिहिनसे ऊर्जा ओ औद्योगिक कच्चा पदार्थ उत्पादन करे सेक्लेसे सोच आवश्यक बा," उहाँ कलैं ।

टायरसे इन्धन उत्पादनके सम्भावना बहलेसे फेन उद्योग सञ्चालनके लाग नियमित रूपमे पुरान टायर उपलब्ध करैना व्यवस्था भर चुनौतीपूर्ण रहल उद्योगीके कहाइ बा । अब्बे पुरान टायरके संकलन, बिक्री ओ पुनः प्रयोग व्यवस्थित नैहोके उद्योगसे आवश्यक कच्चा पदार्थ प्राप्त करना कठिनाइ बेहोरेपरना अवस्था बारु।

श्रेष्ठके अनुसार टायर संकलनके लाग स्थानीय तह, सवारीसाधनके वर्कसप, टायर व्यवसायी ओ उद्योगबिच समन्वय हुइ सेक्लेसे फेकल टायरके भारी हिस्सा प्रशोधनमे नाने सेक्जाइ । यिहिनसे फोहोर व्यवस्थापनके समस्या समाधान हुइनाके साथे नयाँ आर्थिक गतिविधि सिर्जना हुइना उहाँक कहाइ बा ।

टायर प्रशोधनसे तेल किल उत्पादन नैहुइठ । टायरमे रहल स्टिल छुट्याके पुनः प्रयोग करे सेकि कलेसे प्रशोधनपाछे बाँकी रहना कार्बनहे टमान औद्योगिक प्रयोजनमे प्रयोग करे सेक्जाइठ । यिहिनसे एक फोहोरसे टमान मेरिक उपयोगी उत्पादन निकारे सेक्ना सम्भावना देखाइल बा ।

श्रेष्ठके अनुसार फँकल टायरके व्यवस्थापनसँगे इन्धन ओ औद्योगिक कच्चा पदार्थ उत्पादन करे सेक्लेसे ओकर चक्रीय अर्थतन्त्रहे समेत सहयोग पुगे सेक्ना । टायरसे उत्पादित इन्धनके बजार विस्तारके लाग भर उद्योगहे सरकारी नीतिगत सहयोग आवश्यक रहल उहाँ बटैलैं ।

आयातित पेट्रोलियम पदार्थमे निर्भरता घटैना स्वदेशमे उपलब्ध हुइना फोहोर तथा अन्य स्रोतसे वैकल्पिक इन्धन उत्पादनहे प्रोत्साहन करेपरना श्रेष्ठके कहाइ बा । "वातावरण जोगैना उद्योगहे अतिरिक्त भार नाइहो, अतिरिक्त प्रोत्साहन आवश्यक रहठ," उहाँ कलैं । उद्योगी श्रेष्ठसे पुरान टायर खुला रूपमे फेक्ना वा जरैलेसे वातावरणमे नकारात्मक असर परे सेक्ना हुइल ओरसे यकर प्रशोधन करटि वातावरणीय मापदण्डके पालना अनिवार्य हुइना बटैलैं ।

श्रेष्ठके अनुसार फँकल टायरके व्यवस्थित संकलन ओ वैज्ञानिक प्रशोधन करे सेक्लेसे एकओर वातावरणीय जोखिम घटाइ सेक्लेसे औरेओर उहिनसे रोजगारी ओ आम्दानी सिर्जना करे सेक्जाइ । सवारीसाधनके संख्या बहलसँगे प्रयोगविहीन टायरके मात्रा फेन बहल बा । श्रेष्ठ समस्या देखके निराश हुइनासे उहिनहे अवसरके रूपमे लेहेपरना बटैलैं । "समस्या देखके निराश हुइ नैपरठ, अवसर फेन ओहे रहठ," उहाँ कलैं, "आजके फोहोर काल्हके उद्योग बने सेकि ।"

अन्तर्राष्ट्रिय

खाडी क्षेत्रसे सुरक्षा मामिलामे आत्मनिर्भर बनेपरलः कतार

काठमाडौं, २४ भदौ । खाडी राष्ट्रसे अपन सुरक्षाके लाग संयुक्त राज्य अमेरिका वा अन्य अन्तर्राष्ट्रिय गठबन्धनमे किल निर्भर रहे नैसेक्ना ओ सुरक्षा क्षेत्रमे और ढेर आत्मनिर्भर बनेपरना कतारके विदेश मन्त्रालयके प्रवक्ता बटैले बटैं ।

संयुक्त अरब इमिरेट्स (यूएई) के राजधानी आबुधाबीमे आयोजित 'हिली फोरम' मे बोल्टि प्रवक्ता माजिद अल-अन्सारी खाडी क्षेत्रमे अन्तर्राष्ट्रिय सेनाके उपस्थिति ओ अमेरिकासँगके रणनीतिक गठबन्धन महत्वपूर्ण हुइलेसे फेन उहिनसे किल क्षेत्रके सुरक्षा सुनिश्चित करे नैसेक्ना बटैलैं ।

"हहिहिनहे हमार साझेदार ओ सहयोगीके आवश्यकता बा । मने अपन सुरक्षाके लाग हम्रे उहाँहुकनमे किल निर्भर रहे नैसेकब," उहाँ कलैं । उहाँक अनुसार सुरक्षा क्षेत्रमे आत्मनिर्भरता आघे बहना मुख्य डगर हो ।

कतार अमेरिका-इरान द्वन्द्वमे प्रमुख मध्यस्थकर्ताके रूपमे सक्रिय रहल आइल बा । यी क्रममे उ अपन ऊर्जा पूर्वाधारहे लक्षित कैके इरानसे हुइल आक्रमणसमेत सामना करल बा ।

छोट मने धनी ग्यास उत्पादक राष्ट्र कतार मध्यपूर्वमे रहल अमेरिकाके सबसे भारी सैन्य आधारमध्ये एकहे आश्रय डेटि आइल बा । द्वन्द्वके क्रममे इरानसे अमेरिकी आक्रमणके जवाफमे अमेरिकी सैन्य आधार तथा क्षेत्रके ऊर्जा पूर्वाधारहे लक्षित करटि आक्रमण करले बा ।

छ महिनासेके द्वन्द्वपाछे अमेरिका ओ इरान गतिरोधमे पुगल बा । इरानसे रणनीतिक महत्वके हर्मुज जलसन्धिमे जहाज आवतजावतमे अवरोध पुगाइल बा कलेसे अमेरिकासे इरानी बन्दरगाहउप्पर नाकाबन्दीके दबाब बहल बा ।

गैल महिना मध्यस्थता प्रयासस्वरूप कतारके प्रधानमन्त्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी तेहरान पुगल रहैं । ओकरआघे हर्मुज जलसन्धिसँग सीमा जोरल इरान ओ ओमानसे अस्थायी समुद्री मार्ग (सिपिङ करिडोर) सञ्चालन तथा जलसन्धिमे रहल बारुदी सुरुङ हटैना विषयमे छलफल करल बटाइले रहैं ।

जेनजीन्के कोरल मार्गसे एक इन्च फेन विचलित नैहोब : रवि लामिछाने

काठमाडौं, २४ भदौ । सत्तारुढ दल रास्वपाके सभापति रवि लामिछाने एक बरस आघे हुइल जेनजी आन्दोलनहे नयाँ जागरण विस्फोटके रुपमे उल्लेख करले बटै ।

जेनजी शहीद दिवसके अवसरमे वक्तव्य जारी कैटी उहाँ वर्षौंसे जरा गारके बैठल भ्रष्टाचार, दलीय भागबन्डा, संस्थागत असक्षमता नागरिकके मौलिक अधिकारउपरके नियन्त्रण ओ अवसरविहीनतासे सिर्जना करल निराशाविरुद्ध जेनजी सडकमे उटरे परल अवस्था स्मरण करल हुइट ।

'एक थोपा फेन रगत नैबहाके पार्टी स्थापना करल हम्रहीनहे, परिवर्तनके आवाज बोलेबर युवा पुस्ताके रगत बहल देख्ना सबसे पीडादायी क्षण हो । भदौ २३ ओ २४ गते इ देशमे ज्या हुइल, उ आब कबु नदोहरे । परिवर्तनके लाग आब इ देशमे कौनो फेन डाइक कोख खाली नहोए कना कामना कैटी नागरिक अधिकार, विधिके शासन ओ भ्रष्टाचारमुक्त समाजके माग कैटी आवाज उठाइबर जीवन गुमाइ पुगल सम्पूर्ण अमर सहिदप्रति मै भावपूर्ण श्रद्धाञ्जली अर्पण करटु । साथे, कर्तव्य पालनके क्रममे ज्यान गुमुइया अमर प्रहरीप्रति फेन हार्दिक श्रद्धाञ्जली अर्पण करटु,' उहाँ कहले बटै ।

उहाँ आन्दोलनमे घाहिल हुइलहुकनके स्वास्थ्य लाभके कामना फेन करले बटै । उहाँ राजनीतिमे चासो नैरख्ठै कहल पुस्ता सडकमे उटरके परम्परागत राजनीतिक शैलीहे अस्वीकृत करल कहले बटै ।

युवाहुक्के सडकसे पुँछल हरेक प्रश्नके जवाफ डेना ठाउँमे आज रास्वपाहे उभ्याइल फेन उल्लेख करले बटै । ओस्टके जेनजीके आँधीसे कोरल मार्गसे एक इन्च फेन वितलिन नैहुइना बटैले बटै ।

'काल्ह सडकसे नवयुवाहुक्के पुँछल हरेक प्रश्नके जवाफ डेना ठाउँमे समयसे आज हम्रहीनहे उभ्याइले बा । ओ इ फेन सम्झैले बा, हमारसँग फेन जवाफ मागक लाग काल्ह फेनसे कोइ उठ्ना बा,' उहाँ कहले बटै, 'मै सक्कु युवा, नागरिक समाज ओ आम जनसमुदायमे विनम्र अपिल करटु, यहाँहुक्नके रचनात्मक खबरदारी ओ हमार कार्यसम्पादनके निर्मम समीक्षा निरन्तर चल्टी रहे । मने, आम मनोविज्ञानमे निराशाके भाष्य भर स्थापित हुइ नैब । नागरिक आक्रोशहे राष्ट्र निर्माणके शक्तिमे रूपान्तरण कैना इ ऐतिहासिक यात्रामे हम्रे सक्कु एकताबद्ध हुइही परी । जागरणके उ आँधी कोरेके विधिके शासन, समतामूलक समृद्धि ओ राष्ट्रिय स्वाभिमानके मार्गसे हम्रे एक इन्च फेन विचलित नैहुइबी कना दृढ सङ्कल्प व्यक्त करटी ।'

अर्थतन्त्रके...

क्षमता चार हजार मेगावाटसे उप्पर पुगल रहे । उत्पादित विद्युत् ऊर्जामे निजी क्षेत्रके लगानी ८० प्रतिशत हाराहारी रहे । जलविद्युत् क्षेत्रसे बाह्य लगानी आकर्षित करले रहे । ऊर्जा मार्गचित्रसे एक दशकमे २८ हजार पाँच सय मेगावाट जलविद्युत् उत्पादन कैके देशभित्तर ओ बाहिरके बजार सुनिश्चित हुइल रहे । भारतसे १० हजार मेगावाट बजार प्रत्याभूति डेहल रहे । बंगलादेश पाँच हजार मेवागाट विद्युत् काहे सहमत हुइल रहे । भारत हुइटि बंगलादेश निर्यात हुइ लागल जलविद्युत्से बंगलादेशी लगानी जलविद्युत्मे आकर्षित हुइना डगर खुलल रहे ।

जलविद्युत् नदी किनारमे बनाइ परठ । हिमाली क्षेत्रसे आइल नदी वर्षभर जलविद्युत् उत्पादनके दिगो स्रोत हो मने त्रिशूली नदी कोरिडोरके जलविद्युत् पूर्वाधारके विनाशसे अन्य लगानी ओ सुरक्षामे गम्भीर प्रश्न उठल बा । हिमबाढके बज्रपातपाछे तहसनहस हुइल जलविद्युत् आयोजनाके बिमा दाबी परल बा । बिमा कम्पनी आब और भारी सकसमे परल बा । निजी लगानीके सब जैसिन आयोजनामे बिमा हुइल ओरसे कुछ क्षतिपूर्ति अइना आकलन बा मने कुछ सरकारी लगानीके आयोजनाके बिमा करल नैहो । सरकारी सम्पत्तिके बिमा नैकरना प्रवृत्तिसे महाविपत्तिमे पुर्पुरामे हात ढरना अवस्थामे पुगल बा । नेपाली अर्थतन्त्रमे मुख्य आधार कृषि, पर्यटन ओ जलस्रोतउप्परके यी हिमसुनामी प्रहार अकल्पनीय बा । यी महाविपत्तिपाछे नेपाली अर्थतन्त्रके यी तीन प्रमुख आधार अर्थात् कृषि, पर्यटन ओ जलस्रोत क्षेत्रमे नवीन योजना, नीति ओ कार्यक्रमके गम्भीर गृहकार्य माग करठ । ओइसिन गृहकार्य हरित अर्थतन्त्रके दूरदृष्टिसहित वैज्ञानिक आधार ओ आयाममे बन्ना वाञ्छनीय बा ।

साभार: गोरखापत्र दैनिकसे

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गौं रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी
MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

रसुवा ओ नुवाकोटके सात जलविद्युत् आयोजनामे उद्धार अभियान : कौन सुरुङके अवस्था कैसिन ?

काठमाडौँ, २४ भदौ । विपद् प्रभावित क्षेत्रमे रहल सात ठो जलविद्युत् आयोजनाके सुरुङमे नेपाली सेना, सशस्त्र प्रहरी ओ विदेशसे आइल सुरुङ विशेषज्ञहुक्के खोज तथा उद्धार करटी रहल बटै ।

रसुवाके टिमुरेसे नुवाकोटके बेत्रावतीसम निर्माण सम्पन्न हुइल ओ निर्माणाधीन आयोजनाके सुरुङमे खोज तथा उद्धार हुइटी रहल सैनिक जनसम्पर्क तथा सूचना निर्देशनालय जनाइल हो ।

भोटेकोशीमे भदौ १० मे बाढ आइल ठेनसे उ क्षेत्रमे सेनाके नेतृत्वमे खोज तथा उद्धार हुइटी रहल बा । चिलिमे जलविद्युत् आयोजनास्थलमे भोटेकोशीसे कटान करलसंगे एमआई-१७ हेलिकप्टर अवतरण कैना स्थान नैहुइलपाछे स्याफ्रुबँसीसे चिलिमेके सुरुङसम भारी उपकरण ('हेभी इक्युपमेन्ट') लैजैना प्रयास हुइटी रहल बा ।

सडकमार्गमे गिरल भारी ढुङ्गाहे उद्धारकर्मीहुक्के विस्फोट करके हटाइल ओ सडक बनाके भारी उपकरण लैजैना प्रयास हुइटी रहल सैनिक प्रवक्ता (सहायकरथी) राजाराम बस्नेत बटैलै । उद्धारकर्मीहुक्के चिलिमेके ११५ मिटरभिटर सुरुङमे पुगके काम करटी रहल बटै ।

सुरुङमे मिनी एक्स्काभेटरमार्फत भग्नावशेष (डेब्रिज) हटैटी खोजीकार्य हुइटी रहल सहायकरथी बस्नेत बटैलै । चिलिमेमा सेना ओ भारतीय उद्धारकर्मीहुक्के काम करटी रहल बटै ।

उद्धारकर्मीहुक्के भदौ १९ मे त्रिशूली-३ 'ए' जलविद्युत् आयोजनाके सुरुङसे दुई जानेक जीवित उद्धार करल रहे । नेपाली सेना ओ सशस्त्र प्रहरीके उद्धारकर्मीहुक्के उहाँसे सञ्जय साह ओ कविर महर्जनके जीवित उद्धार करल हुइट ।

ओस्टेक करके, सुरक्षाकर्मीहुक्के भदौ २० मे उप्पर त्रिशूली-१ जलविद्युत् आयोजनाके सुरुङके २२५ मिटरभिटरसे चिनियाँ नागरिक लुआइतोहे जीवित

उद्धार करल रहिट । भोटेकोशीके बाढके कारण फसलहुकनके खोजी तथा उद्धारके लाग अब्बे सात ठो सुरुङमे काम हुइटी रहल सहायकरथी बस्नेत बटैलै ।

सेनाके अनुसार सुरुङमे १२१ जाने केल्ह फसल हुई सेक्ना आकलन करल बा । मने, रसुवा ओ नुवाकोटके आयोजनास्थल ओ जलविद्युत् सुरुङमे फसल ८९८ जाने मनै सम्पर्कविहीन हुइल स्वतन्त्र ऊर्जा उत्पादकहुकनके संस्था (इप्पान) से दाबी करटी आइल बा ।

आयोजनाके कर्मचारीसंग समन्वय करेबेर दैनिक डिउटीमे खटना प्राविधिक ओ कर्मचारीके सिफ्ट विवरणके आधारमे १२१ जाने सुरुङमे फसल आशङ्का करल सहायकरथी बस्नेत प्रस्ट परलै । सेनासे प्रभावित सात ठो सुरुङमे खोजी जारी राखल बा ।

सेनाके अनुसार सुरुङमे हुइटी रहल खोज तथा उद्धारके अवस्था यैसिन बा ।

१. रसुवागढी जलविद्युत् आयोजना: सम्पर्कविहीन- ९३ जाने, भेटल- ० ।

इप्पानके अनुसार रसुवागढी आयोजनास्थलसे ९३ जाने सम्पर्कविहीन हुइल बटै । टिमुरेस्थित यी आयोजनाके सुरुङमे आयोजनाके प्रतिनिधि ओ सेनाके उद्धारकर्मीहुक्के 'पावरहाउस' के 'कन्ट्रोल रुम' सम पुगके खोजी करटी रहल बटै ।

२. रसुवा भोटेकोशी जलविद्युत् आयोजना: सम्पर्कविहीन- ४ जाने, भेटल- १ शव ।

रसुवाके गोसाइँकुण्ड गाउँपालिका-५ रोङ्गास्थित यी आयोजनाके सुरुङमे एक जानेक शव भेटल बा । ड्रोन प्रयोग करके खोज तथा उद्धार करेबेर उ शव भेटल हो । थप खोजीकार्य जारी बा ।

३. लाङटाङ खोला जलविद्युत् आयोजना: सम्पर्कविहीन- ४१ जाने, भेटल- २ शव ।

२० मेगावाट क्षमताके ओ परीक्षण चरणमे रहल यी आयोजनामे संयुक्त उद्धार टोलीसे काम करटी रहल सेनासे जनैले बा । यी आयोजनाके सुरुङसे दुई जानेक शव निकारल रहे ।

४. चिलिमे जलविद्युत् आयोजना: सम्पर्कविहीन- ८ जाने, भेटल- ० ।

२२ मेगावाट क्षमताके यी आयोजनामे भारतीयसहितके उद्धारकर्मीहुक्के ६ मिटरके भारी पाइप प्रयोग करके नेंगे मिल्ना डगर तयार करले बटै । । स्याफ्रुबँसीसे चिलिमेके सुरुङसम भारी उपकरण लैजैना सडकमे रहल भारी ढुङ्गाहे उद्धारकर्मीहुक्के विस्फोट करके हटैले बट । सुरुङमे भग्नावशेष हटैटी उद्धारकर्मी ११५ मिटरभिटर प्रवेश करल सेना जनैले बा । यहाँ भारतीय सुरुङ विशेषज्ञहुक्केफे काम करटी रहल बटै । सुरुङभिटर उकालो ओ ओरालो 'बेन्ड' क्षेत्रमे उद्धारकर्मीहुक्के पुगल बटै । वहाँ ओ आवास गृह क्षेत्रमे खोजीकार्य जारी राखल बटै ।

विस्फोट करे नैमिल्ना हुइलपाछे भारी उपकरण लैजाई खोजल सैनिक प्रवक्ता बस्नेत जानकारी डेलै ।

५.माथिल्लो त्रिशूली-१ जलविद्युत् आयोजना: सम्पर्कविहीन- ३३२ जाने, भेटल- १ जाने जीवित उद्धार ।

विपद्के कारण रसुवाके हाकु ओ मैलुङ क्षेत्रमे निर्माणाधीन 'अपर त्रिशूली-१' आयोजनामे कार्यरत कर्मचारी ओ मजदुरसहित ३३२ जाने सम्पर्कविहीन हुइल दाबी करल बा । २१६ मेगावाट क्षमताके यी आयोजना नेपाल वाटर एन्ड इनर्जी डेभलपमेन्ट कम्पनी बनैटी रहल बा ।

वहाँ चिनियाँ, नेपाली सेना ओ कोरियन सुरुङ विशेषज्ञ टोली उद्धारमे खटल बा । सुरुङके २२५ मिटरभिटरसे एक जाने चिनियाँ नागरिक लुआइतोहे उद्धारकर्मीसे जीवित उद्धार करल रहिट । अब्बे उद्धारकर्मीहसक्के उहे सुरुङके ४०० मिटरभिटर पुगके खोजीकार्य जारी रख्ले बटै ।

६. त्रिशूली-३ 'ए' जलविद्युत् आयोजना: सम्पर्कविहीन- ४२ जाने, भेटल- २ जीवित उद्धार, १ शव ।

उद्धारकर्मीहुक्के भदौ १९ मे यी आयोजनाके सुरुङसे दुई जानेक जीवित उद्धार करल रहिट । नेपाली सेना ओ सशस्त्र प्रहरीके उद्धारकर्मीहुक्के वहाँसे सञ्जय साह ओ कविर महर्जनके जीवित उद्धार करल हुइट । यी आयोजनाके पावरहाउस ओ सुरुङमे सेनाके ३४ जाने, सशस्त्रके ४ जाने ओ आयोजनाके इन्जिनियरहुक्के फे खोज तथा उद्धारमे जुटल बटै ।

७. त्रिशूली-३ 'बी' जलविद्युत् आयोजना: सम्पर्कविहीन- १९१ जाने, भेटल- ० ।

यी आयोजनामे खोज तथा उद्धारके लाग १०१ जाने सैनिक परिचालन करल बा । आयोजनाके प्राविधिकसमेत मिल्के तीन ठो एक्स्काभेटरसे खोदके खोजी करटी रहल बटै । २३ फिटसम खोदेबेरफे वहाँ कुछ फेला परल नैहो । उद्धारकर्मीहुक्के आयोजनाके कार्यालय

भारत पुगल १५ नेपाली बालबालिकाके उद्धार

बुटबल, २४ भदौ । भारतके टमान ठाउँमे जोखिमपूर्ण अवस्थामे फेला परल १५ जाने नेपाली बालबालिका तथा किशोर किशोरीनहे उद्धार करके नेपाल ल्यानल बा । ओइनहे रुपन्देहीके भैरहवा ल्यानल बा । कलेसे ओइनहे परिवार तथा आफन्तके जिम्मा लगैना बा ।

भारतके दिल्लीस्थित मानव बेचबिखन तथा ओसारपसारविरुद्ध कार्यरत संस्था 'किन इन्डिया'के पहलमे भारतके महाराष्ट्र, दिल्ली ओ झारखण्डलगायत स्थानसे फरक-फरक समयमे ओइनके उद्धार करल हो ।

जिल्ला प्रहरी कार्यालय रुपन्देहीके सूचना अधिकारी एवं डीएसपी कृष्णकुमार चन्दके अनुसार उद्धार करल बालबालिकाहे परिवार तथा आफन्तके जिम्मा लगैना नेपाल ल्यानल हो ।

'किन इन्डिया'के निर्देशक नवीन जोशीके अनुसार उद्धार करल मध्ये १२ जाने १५ वर्षटरेक बालबालिका बटै कलेसे तीन जाने १५ वर्षउप्परके किशोरकिशोरी बटै । उद्धार करल मध्ये पाँच जाने बालिका तथा किशोरी रहल बटै ।

ओइनहे कानुनी प्रक्रिया पूरा करके अभिभावकके उपस्थितिमे प्रहरी तथा प्रशासनके रोहवरमे जिम्मा लगैना तयारी करल जोशी बटैलै ।

उद्धार करल मध्ये कुछ बालकहे मदरसामे पहैना कहटी अवैध रूपमे भारत लैगिल पाइल बा । ओइने जोखिमपूर्ण तथा नियमविपरीत अवस्थामे रहल जानकारी पाइलपाछे भारतीय प्रहरी, विशेष करके महाराष्ट्र प्रहरीके सहयोगमे सम्बन्धित मदरसामे छापा मारके उद्धार करल जोशी बटैलै ।

ओस्टेक करके, कुछ बालिका तथा किशोरी घरेलु हिंसा सहे नैसेक्के घरसे भागल अवस्थामे भारत पुगल पाइल बा । ओइनहेफे भारतके टमान स्थानमे जोखिमपूर्ण अवस्थामे फेला पारके उद्धार करल हो । कुछ बालबालिका भर दिल्लीके रेल्वे स्टेसनमे अलपत्र अवस्थामे भेटल रहिट ।

भारतके टमान स्थानसे उद्धार करलपाछे ओइनहे कुछ समय 'किन इन्डिया'के संरक्षणमे धमरल रहे । आवश्यक प्रक्रिया पूरा करलपाछे सुरक्षित रूपमे नेपाल ल्यानके परिवार तथा आफन्तसँग पुनर्मिलन कराई लागल जोशी बटैलै । उद्धार करल बालबालिकाहे तीन ठो गाडीमार्फत रुपन्देही ल्यानल हो । नेपाल ल्यन्ना क्रममे 'किन इन्डिया'के कर्मचारीसंगे भारतस्थित नेपाली राजदूतावासके वरिष्ठ प्रहरी उपरीक्षक प्रकाश मल्लफे सहभागी रहिट ।

जोशीके अनुसार उद्धार करल बालबालिका तथा किशोरकिशोरी मधेस प्रदेशसहित पश्चिम नवलपरासीके प्रतापपुर, पाल्पा, कञ्चनपुर, कैलालीलगायत जिल्लाके रहल बटै ।

युएईसे थप ३८ टन राहत सामग्री सहयोग

काठमाडौँ, २४ भदौ । संयुक्त अरब इमिरेट्स (युएई) से करिब ३८ टन राहत सामग्री नेपाल पठाइल बा । मानवीय हवाई सहायता अभियानअन्तर्गत राहत सामग्रीसहित चौठा राहत विमान नेपाल पठाइल हो । विमानमे ५०० ठो पाल ओ १०८ वटा राहत प्याकेज समावेश करल एक विज्ञप्तिमे जनाइल बा ।

यी संगे नेपालहे हवाई मार्गसे पठाइल युएईके कुल सहायता १८६ टन पुगल जारी विज्ञप्तिमे जनाइल बा । सामग्रीमे खाद्यान्न, आश्रय, स्वास्थ्य सामग्री तथा अन्य अत्यावश्यक राहत ओ लजिस्टिक सामान रहल बटै ।

प्रभावित क्षेत्रमे सहायता हाली पुगैना नेपाली अधिकारीसंग समन्वय करके स्थानीय बजारसेफे आवश्यक सामग्री उपलब्ध करैना तयारी करल विज्ञप्तिमे जनाइल बा । साथे दुबई प्रहरीके खोज तथा उद्धार टोलीसे अत्याधुनिक उपकरण ओ प्रविधि प्रयोग करके बाढ तथा पहिरोसे प्रभावित क्षेत्रमे कार्य जारी राखल समेत जनाइल बा ।

युएई राहत अभियानके प्रमुख डा. हम्मूद अल अफारीके नेतृत्वमे यी अभियान सञ्चालित रहल जनाइल बा । पूर्वसांसद राजेन्द्र बजगाईसे युएईके उपलब्ध कराइल यी सहयोगप्रति धन्यवाद व्यक्त करले बटै ।

भन्सार छलिके सामानसहित ९ जाने पक्राउ

पहुरा समाचारदाता

कञ्चनपुर, २४ भदौ । कञ्चनपुर भीमदत्त न.पा.११ भन्सार कार्यालय लगेसे अवैध रुपमे भारतसे भन्सार छलि करके ल्यानल अवैध भन्सारके छलिके सामानसहित नौ जाने पक्राउ परल बटै ।

इलाका प्रहरी कार्यालय गड्डाचौकी, कञ्चनपुरसे खटल प्रहरी टोलीसे रु.१ लाख रुप्या बराबरके चिनी, दाल, खाने तेल, सोनपापडी, किराना लगायतके सामान सहित ओइनहे पक्राउ करल हो ।

पक्राउ परले बेदकोट न.पा.१० बैठना वर्ष ३२ के ज्योती डुंगौरा, वर्ष २४ के सोनु डगौरा, बर्ष २० के नेहा चौधरी, भीमदत्त न.पा.२ बैठना वर्ष ३५ के तारा कुँवर, वर्ष ४० के भावना चन्द, वडा नम्बर ८ बैठना वर्ष ३५ के लक्ष्मी नेपाली, वडा नम्बर १९ बैठना वर्ष २४ के पशुपती धामी, वर्ष ४० के बिमला चन्द ओ वर्ष ३५ के मिना धामी समेत ९ जनहनहे मंगर साँझ फेला पारके आवश्यक प्रक्रिया पुरा करके आवश्यक कारबाहीके लाग भन्सार कार्यालय गड्डाचौकी, कञ्चनपुर पठाइल बा ।

ओस्टेक करके कैलालीके भजनी न.पा.५ मिलनपुर ओ हलौनासे अवैध रुपमे भारतसे भन्सार छलि करके ल्यानल मूल्य रु.५५ हजार बराबरके सुटपिस, लसुन, धनियाँ लगायतके सामान मंगर इलाका प्रहरी कार्यालय पृथ्वीपुर, कैलालीसे खटल प्रहरी टोलीसे बेवारिसे अवस्थामे फेला पारके आवश्यक प्रक्रिया पुरा करके नियन्त्रणमे लेहल बा ।

चिनी महँगा...

भारतीय बजारमे चिनीके मूल्य आकासलपाछे अब्बे चिनीके मागसम्मेत घट्टी गैल कतिपय व्यापारीके कहाइ रहल बा । शुक्लाफाँटा नगरपालिका-१० के स्थानीय रमा साउद विगतमे प्रतिकिलो १०० रुपियाँ पर्ना चिनी अब्बे १४० रुपियाँमे खरिद करे परल गुनासो करलै । इहे जिल्लामे सञ्चालनमे रहल चिनी उद्योग महँगोमे चिनी उपलब्ध कराइबर चिनीके लाग भारतमे निर्भर हुइ पर्ना बाध्यता रहल उहाँ बटैलै ।

उपभोक्ता यहाँके उद्योगसे सहज मूल्य निर्धारण कैके चिनी उपलब्ध कराइ पर्ना माग करले बटै । मने कच्चा पदार्थके अभाव तथा उत्पादन लागतके कारण भारतीय उत्पादनसे महँगोमे चिनी बिक्री करे पर्ना बाध्यता रहल बेलौरी नगरपालिका-१० स्थित महाकाली चिनी मिलके सूचना अधिकारी कालु सिंह ठगुन्ना बटैलै ।

दररेट नैमिलल् कारण कञ्चनपुर ओ कैलालीके उपभोक्ता वर्षौंसे भारतमे निर्भर रहँटी आइल उहाँके कहाइ रहल बा । भारतीय चिनी यहाँके स्थानीय बजारमे छ्यापछ्याप्ती पाइ लागलपाछे मिलसे उत्पादन करल चिनी पूर्वी जिल्लामे निर्यात करे परल उहाँ बटैलै ।

भारतमे चिनीके मूल्य बहलपाछे अब्बे यहीँ उत्पादित चिनीके माग बह्दटी गैल उहाँके कहाइ रहल बा । डेवारीके लाग हाल ५० हजार क्विन्टल चिनी खपत हुइना उहाँ बटैलै । इ बेर एक लाख ८३ हजार क्विन्टल चिनी उत्पादन करल महाकाली चिनी मिल हालसम एक लाख २३ हजार क्विन्टल बिक्री होसेकल जनैले बा ।

यहाँके व्यापारी तथा उपभोक्ता भारतसे चिनी लन्ना करल कारण इ क्षेत्रमे उत्पादित चिनी स्थानीयस्तरमे पर्याप्त बजार पाइ नैसेकल पुनर्वास नगरपालिकास्थित भागेश्वर चिनी मिलके सूचना अधिकारी डम्मर खड्का बटैलै ।

खुला सीमा नाकाके फाइदा उठैटी स्थानीयसे विगतमे सस्ता मूल्यमे भारतसे चिनी लानके प्रयोग कैना करल उहाँ बटैलै । मने इ बेर भारतीय बजारमे समेत चिनीके मूल्य बहलपाछे यहाँके उत्पादनले इहे क्षेत्रमे बजार पैना अपेक्षा करल उहाँके कहाइ रहल बा ।

यहाँके चिनी मिलसे स्थानीयस्तरमे नै चिनीके पर्याप्त व्यापार नैपाइलपाछे सुदूरपश्चिमके पहाडी जिल्लाके साथे पूर्वी जिल्लामे चिनी पठैटी आइल बावै । इहे क्षेत्रमे पर्याप्त बजार पैलेसे मिलके फेन ढुवानी तथा निर्यात खर्च घट्ना अपेक्षा करल बा ।

इ क्षेत्रमे कच्चा पदार्थ गन्ना पर्याप्त आपूर्ति नैहोके चिनी उत्पादन बहाइ नैसेकल भागेश्वर चिनी मिलके सूचना अधिकारी खड्का बटैलै । इ बेर एक लाख ८० हजार क्विन्टल चिनी उत्पादन हुइलमे आभिन ८० हजार क्विन्टल बिक्रीके लाग बाँकी रहल उहाँके कहाइ रहल बा ।

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अव सर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services

सेवाहरू:
- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304
आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरु : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन ।*
२) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९